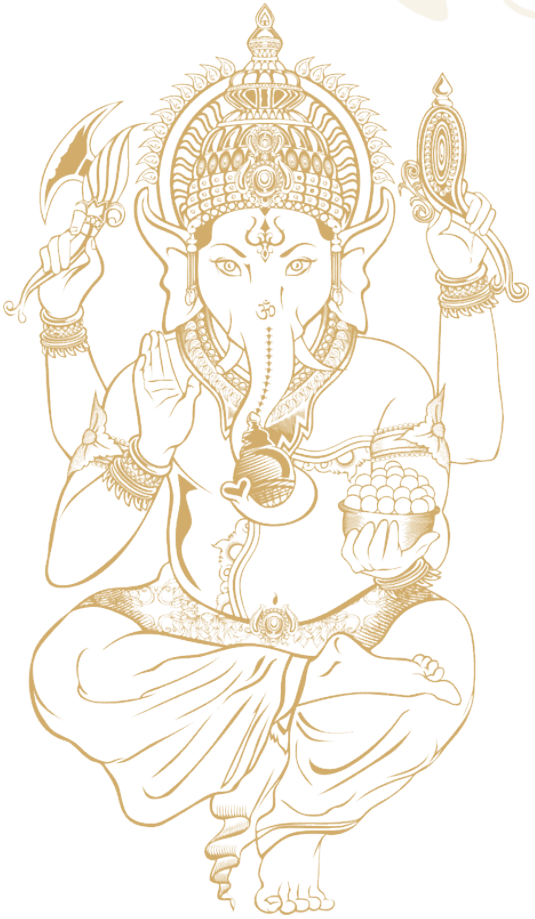

Dulesh Soni

Khushi Soni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120766604

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/02/2002	जन्म तिथि	11/01/2005
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 21:15:00	जन्म समय	17:29:00 घंटे
घटी 35:06:57	जन्म समय(घटी)	25:08:22 घटी
India	देश	India
Pipar	स्थान	Kishangarh
26:23:00 उत्तर	अक्षांश	27:52:00 उत्तर
73:32:00 पूर्व	रेखांश	76:41:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:35:52	स्थानिक संस्कार	-00:23:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:12:13	सूर्योदय	07:16:02
18:28:08	सूर्यास्त	17:46:39
23:52:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:32

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 10वर्ष 6मा 30दि		10:49:54	कन्या	लग्न	मिथु	24:30:40	चन्द्र 8वर्ष 8मा 12दि	
बुध		02:54:04	कुंभ	सूर्य	धनु	27:26:36	राहु	
16/09/2012		09:14:25	मीन	चंद्र	मक	11:43:54	24/09/2020	
16/09/2029		26:09:16	मीन	मंगल	वृश्चि	17:41:00	25/09/2038	
बुध	12/02/2015	07:15:54	मक	बुध	धनु	07:54:29	राहु	07/06/2023
केतु	10/02/2016	12:03:49	मिथु व	गुरु	कन्या	24:12:41	गुरु	31/10/2025
शुक्र	10/12/2018	10:37:47	कुंभ	शुक्र	धनु	08:19:19	शनि	06/09/2028
सूर्य	17/10/2019	14:12:12	वृष	शनि व	कर्क	00:09:24	बुध	26/03/2031
चन्द्र	17/03/2021	01:02:45	मिथु व	राहु व	मेष	04:08:54	केतु	13/04/2032
मंगल	14/03/2022	01:02:45	धनु व	केतु व	तुला	04:08:54	शुक्र	13/04/2035
राहु	01/10/2024	01:02:58	कुंभ	हर्ष	कुंभ	10:26:01	सूर्य	07/03/2036
गुरु	07/01/2027	15:15:26	मक	नेप	मक	20:16:55	चन्द्र	06/09/2037
शनि	16/09/2029	23:26:30	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	29:10:10	मंगल	25/09/2038

लग्न-चलित

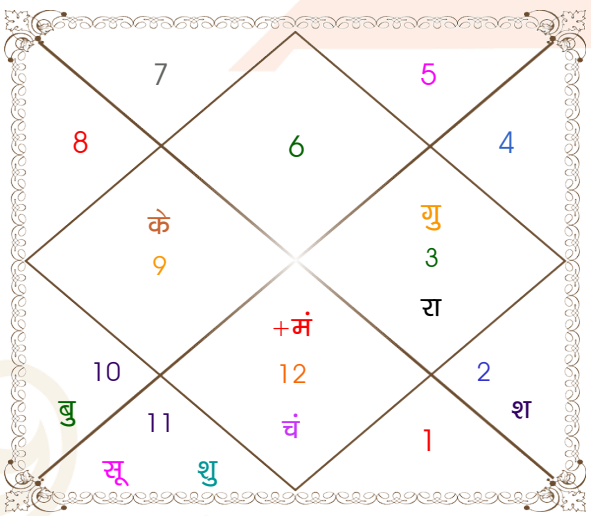

लग्न-चलित

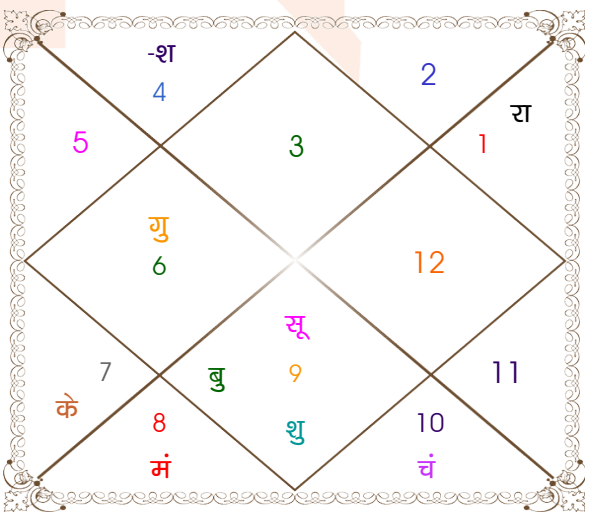

Pandit Sanjay Joshi
90,Amar Nagar, Pal Road
Jodhpur, Rajasthan, India
9214632011
panditsanjay.joshi@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

Dulesh Soni का वर्ग सर्प है तथा Khushi Soni का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Dulesh Soni और Khushi Soni का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Dulesh Soni मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Dulesh Soni कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Khushi Soni मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

Pandit Sanjay Joshi
90,Amar Nagar, Pal Road
Jodhpur, Rajasthan, India
9214632011
panditsanjay.joshi@gmail.com

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Khushi Soni कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Dulesh Soni तथा Khushi Soni में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Pandit Sanjay Joshi
90,Amar Nagar, Pal Road
Jodhpur, Rajasthan, India
9214632011
panditsanjay.joshi@gmail.com